गणतन्त्र दिवस संदेश

प्रिय रेल कर्मियों ,

अपने देश के 72वें गणतंत्र दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। हमें ज्ञात है कि 26 जनवरी के ही दिन 1950 में भारत ने अपना संविधान अपनाया और इस प्रकार दुनिया के नक्शे पर एक गणतंत्र राज्य के रूप में उभरा था। इस अवसर पर हम महान देशभक्तों, शहीदों तथा अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि देते हैं।

हमारा संगठन भारतीय रेल के विकास हेतु सुरक्षित, कुशल, पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली वाले परिचालन के माध्यम को लागू कर भारत को आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की ओर सतत प्रयत्नशील है। हमें वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल के 4056 रूट किलोमीटर को विद्युतीकृत किए जाने का कठिन लक्ष्य मिला है। जैसा कि विदित है, इस वित्त वर्ष के शुरुआती माह कोविड महामारी के वजह से पूर्णरूपेण लाकडाउन मे ही व्यतीत हुए, जिसके कारण विद्युतीकरण का कार्य बाधित हुआ। इसके बावजूद चालू वित्त वर्ष में अब तक संतोषजनक प्रगति हो चुकी है। इस वर्ष महत्वपूर्ण रेल मार्गों के अविद्युतीकृत मिसिंग लिंक एवं लास्ट माइल कनेक्टिविटी खण्डों के विद्युतीकरण पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। कटनी-सतना खंड के विद्युतीकरण होने से प्रयागराज से होते हुए पटना से मुम्बई तक विद्युतीकृत मार्ग पर संचालन सम्भव हुआ है। कनकपुरा-जयपुर मार्ग के विद्युतीकृत होने से दिल्ली से जयपुर तथा प्रयागराज से जयपुर तक विद्युतीकृत मार्ग पर परिचालन प्रारम्भ हुआ है। जबलपुर-नैनपुर-गोदिया सेक्शन के विद्युतीकृत होने से दक्षिण भारत की ओर जाने वाली ट्रेन, जबलपुर से इटारसी के बजाय अब गोंदिया होकर जायेगी जिसके फलस्वरूप दक्षिण भारत की दूरी अब 270 किलोमीटर कम हो गई है। इससे समय और लागत में अपार बचत हो रही है ।

प्रिय साथियो, हमने कोविड आपदा का उपयोग एक अवसर के रूप में करते हुए अपनी दक्षता व पूर्ण क्षमता से प्रदर्शन को और बेहतर बनाया है। इस दौरान एक दिन में सर्वाधिक वायरिंग शॉट्स और एक दिन में अधिकतम मास्ट इरेक्सन का कीर्तिमान बनाया गया। नवाचार के नये उपायों को अपनाते हुए, इस वर्ष कोर की चेन्नई परियोजना ने भारतीय रेल में पहली बार सिलेंड्रिकल फाउंडेशन कास्टिंग को आरम्भ किया। कोर द्वारा विभिन्न परियोजना इकाइयों में कोविड की अवधि के दौरान विद्युतीकरण की गतिविधियों में 86264 मानव दिवस का कार्य प्रवासी श्रमिकों के लिए सृजित किया गया । जिससे महानगरों से आये श्रमिकों को कोरोना-काल में अपने गृह जनपद में ही रोजगार मिल सका ।

वित्तीय वर्ष 2020-21 मे अब तक, 25 टीएसएस एवं 73 एसपी/एसएसपी चालू किये गए हैं। इसी प्रकार, 69 स्टेशनों तथा 29 समपार फाटकों पर विद्युतीकरण के अनुरूप सिग्नल मॉडिफिकेशन का कार्य भी किया गया एवं 35 नये ब्लाक इन्स्ट्रूमेंटों को बदला गया। उपर्युक्त उपलब्धियां हमारे अधिकारियों और कर्मचारियों की जबरदस्त क्षमता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं ।

इंजीनियरिंग शाखा ने इस वित्त वर्ष में 49 टीएसएस, 47 डिपो, 22 टावर कार शेड, 19 एफ़ओबी, 3 आरओबी एवं 492 स्टाफ क्वार्टर की उपलब्धता सुनिश्चित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कोर में अब ई –आफिस का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया गया है जिससे पेपर लेस वर्किंग के साथ ही कार्य का निपटान शीघ्रत्ता से हो सकेगा। ई-टेण्डर/ई-रिवर्स आक्शन एवं इलेक्ट्रानिक टेण्डर कमेटी के संसाधनों के प्रयोग द्वारा टेन्डर प्रक्रिया के शुरुआत से कार्यादेश जारी करने तक का सम्पूर्ण कार्य ई-टेण्डरिंग के माध्यम से किया जा रहा है। कोर में ऑनलाइन इंडेंट की प्रक्रिया शुरू की गई और यूजर डिपो माड्यूल भी लागू किया गया। डिजिटल माध्यम लागू करने से इन क्रिया कलापों में वित्तीय बचत हुई है। मानव संसाधन प्रबंधन पद्धति (HRMS) के माध्यम से अब ई-सुविधा पास जारी किया जा रहा है। एचआरएमएस, उमीद एवं ई-सुविधा पास/पीटीओ हेतु एकीकृत सुविधा कक्ष मुख्यालय के भूतल पर स्थापित किया गया है।

मुझे यह बताते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कि कुछ ही दिन पहले राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हमारे अहमदाबाद परियोजना के परियोजना निदेशक को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया है। मैं राजभाषा प्रयोग में कोर के प्रशंसनीय योगदान के लिए सभी को बधाई देता हूँ ।

कोर में खेलकूद की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए भी हम निरन्तर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में कोर ने भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के फिट इण्डिया मुवमेंट के “फिटनेस का डोज आधा घंटा रोज” को बढ़ावा देते हुए साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। हम “स्वच्छ भारत मिशन“ के प्रति भी वचनबद्ध है। इस वर्ष अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से रेल विद्युतीकरण कार्यालयों और कॉलोनियों में विशेष सफाई जागरुकता अभियान चलाया गया। इस दौरान एक वेबिनार का भी आयोजन किया गया जिसका शीर्षक “कोविड-19 से बचाव हेतु स्वच्छता उपाय” रहा।

रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण हेतु पूर्णत: समर्पित है। रीवो द्वारा कोविड से बचाव हेतु जिला राहत कोष में एक लाख रुपये का योगदान दिया गया।

मै मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों और संघों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ जिन्होंने संगठन को रेल विद्युतीकरण के लक्ष्यों की प्राप्ति और उत्कृष्टता की उपलब्धि में सहयोगात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाई है।

वर्ष 2020-21 के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना है। मुझे विश्वास है कि कोर टीम परस्पर सहयोग एवं समन्वय से लक्ष्य को प्राप्त करते हुये नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। आइये, इस राष्ट्रीय पर्व पर पुन: एक साथ संकल्प लें कि हम रेल विद्युतीकरण के कार्यों को पूरी निष्ठा और लगन के साथ पूरा करने के लिए समर्पित रहेंगे।

जय हिन्द

26 जनवरी 2021

(यशपाल सिंह)
महाप्रबन्धक/कोर/प्रयागराज